http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 70

प्रयागराज मंगलवार 26 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

बेअंत हत्याकांड में राजोआना की दया याचिका पर चार सप्ताह में फैसला करे केंद्रः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या मामले में मौत की सजा पाए 28 वर्षों से जेल में बंद प्रतिबंधित बब्बर खालसा के सदस्य 57 वर्षीय बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर फैसला करने के लिए केंद्र सरकार को सोमवार को चार सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार के अनुरोध पर यह आदेश पारित किया। पीठ के समक्ष केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि इस मामले में कुछ संवेदनशीलता शामिल है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने भी कहा कि मामले में कुछ और जानकारी लेने की जरूरत है, इसलिए केंद्र सरकार द्वारा अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। शीर्ष अदालत ने 18 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सचिव को निर्देश दिया था कि वह राजोआना की दया याचिका पर दो सप्ताह में फैसला करने के अनुरोध के साथ उनके (राष्ट्रपति) समक्ष रखें। हालांकि, उसी दिन बाद में सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर अदालत ने अपने उस आदेश पर रोक लगा दी थी। श्री मेहता ने 18 नवंबर को भी शीर्ष अदालत के समक्ष कहा था कि उसके इस आदेश (राष्ट्रपति के समक्ष दो सप्ताह में विचार करने के का अनुरोध) को प्रभावी नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इस मामले में संवेदनशीलता शामिल है। उन्होंने अदालत से कहा था कि संबंधित दस्तावेज केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है, न कि राष्ट्रपति कार्यालय के पास। शीर्ष अदालत ने 4 नवंबर को राजोआना की अंतरिम राहत पर विचार करने से इनकार कर दिया। राजोआना ने अपनी दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा में कमी की गुहार लगाई गई थी। उसके वकील ने तब दलील दी थी कि यह एक चौंकाने वाला मामला है।

संसद सत्र की शुरुआत पर बोले पीएम मोदी

जनता कर रही उनको रिजेक्ट

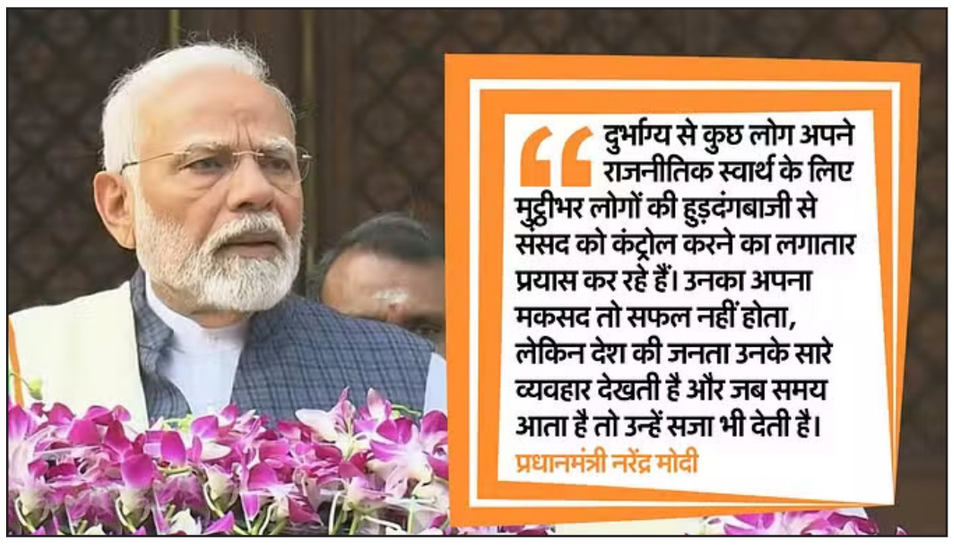

● हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना ही होगाः पीएम

● जिन्हें जनता ने बार-बार नकारा, वे ही लोकतंत्र का अनादर कर रहेः प्रधानमंत्री

● मतदाता, संविधान, विश्व समुदाय की आशा पर खरे उतरें सांसदः मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले विपक्ष से जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा विश्व समुदाय की आशाओं पर खरा उतरने का आह्वान करते हुए अपील की कि उनके व्यवहार से मतदाता, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संविधान के प्रति उनका समर्पण और संसदीय प्रक्रियाओं में उनके विश्वास की सार्थक अनुगूंज बाहर जानी चाहिए। श्री मोदी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा " शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। 2024 का यह अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। जैसे-जैसे 2024 करीब आ रहा है, देश जोश और उत्साह से भर गया है और बेसब्री से 2025 का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संसदीय सत्र कई मायनों में खास है, जिसमें सबसे अहम पहलू हमारे संविधान की 75वीं वर्षगांठ है। यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक गौरवशाली मील का पत्थर है। कल संविधान सदन में सब मिलकर संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा " संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण करते समय एक एक बिंदु पर बहुत विस्तार से बहस की है और तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई हैं – संसद और हमारे सांसद। संसद में स्वस्थ बहस होनी चाहिए और चर्चाओं में अधिकतम और उचित भागीदारी होनी चाहिए। लेकिन,दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को भी मुट्ठीभर लोगों की हुड़दंगबाजी से संसद को कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनकी रणनीति अंततः विफल हो जाती है, जनता उनके व्यवहार पर बारीकी से नजर रखती है और समय आने पर सजा भी देती है।"

अडानी मुद्दे पर संसद में चर्चा जरूरीः खरगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि संसद के आज से शुरू हुए सत्र में उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे आरोपों को लेकर चर्चा आवश्यक है ताकि विदेशों में भारत की छवि रक्षा की जा सके कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि संसद के आज से शुरू हुए सत्र में उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे आरोपों को लेकर चर्चा आवश्यक है ताकि विदेशों में भारत की छवि रक्षा की जा सके। खरगे ने कहा "संसद सत्र शुरू होने के साथ ही सरकार को सबसे पहले अडानी प्रकरण पर विस्तृत चर्चा करनी चाहिए। यह मुद्दा वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को धूमिल कर सकता है। इंडिया गठबंधन की पार्टियाँ यही माँग कर रही हैं, क्योंकि करोड़ों खुदरा निवेशकों की मेहनत की कमाई दांव पर लगी है।" उन्होंने कहा " हमें देश को चलाने के लिए एकाधिकार और कार्टेल की जरूरत नहीं है। निजी क्षेत्र में स्वस्थ बाजार प्रतिस्पर्धा संचालित करने की जरूरत है ताकि समान अवसर, रोजगार और धन के समान वितरण की सुविधा प्रदान हो और भारत के लोगों में निहित उद्यमशीलता की भावना को पूरी हो।"

सीएम योगी का फिर जनता दरबार

● गोरखपुर में सुनीं 300 लोगों की समस्याएं, बोले- हर समस्या का कराएंगे समाधान

गोरखपुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याओं को सुना। वहीं गौशाला में गौसेवा करते हुए और प्रातः भ्रमण के दौरान बत्तखों को दाना खिलाते हुए नजर भी आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। सीएम योगी ने की गोसेवा, बतखों को भी चारा खिलाया गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल शिवावतारगुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे।

खरगे की अध्यक्षता में हुई गठबंधन नेताओं की बैठक

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले आज संसद भवन परिसर में इंडिया गठबंधन के सदन के नेताओं की बैठक राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गठबंधन की लगभग सभी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया और संसद के दोनों सदनों में गठबंधन की रणनीति को लेकर चर्चा की। बैठक में जालंधर मुद्दों पर सरकार से चर्चा करने की मांग पर बल दिया गया। श्री खड़गे के संसद भवन स्थित कार्यालय में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में लोकसभा में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के टी एस बालू, आरएसपी के प्रेमचंद्रन कांग्रेस के कैसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी सहित कई नेता मौजूद थे। बैठक में द्रमुक के त्रुची शिवा, कनिमोझी, सौगात राय तृणमूल , आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास भी मौजूद थे।

संविधान से धर्मनिरपेक्ष-समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। साल 1976 में पारित हुए 42वें संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है।श सीजेआई ने कहा कि श्समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता।श इंदिरा गांधी सरकार में जोड़े गए थे ये शब्द बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में श्समाजवादीश, श्धर्मनिरपेक्षश और श्अखंडताश शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप श्संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यश से बदलकर श्संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्यश हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने ष्समाजवादीष शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने संशोधन का किया था बचाव इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है।

हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए।

मोदी पर आमजन का भरोसे ने जिताया विधानसभा उपचुनावः भजनलाल

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हाल में हुए प्रदेश की सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली पांच सीटों के साथ प्रचंड जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आमजन का भरोसा एवं उनके नेतृत्व में राज्य सरकार के ग्यारह महीनों के काम का नतीजा बताते हुए दावा किया है कि वह जनता से किये सारे वादे तथा युवा, किसान, महिला एवं गरीबों के सपने को पूरा करेंगे और आने वाले समय में एक उत्कृष्ट एवं विकसित राजस्थान बनायेंगे और हमारे मन में जो कल्पना हैं उसे करके बतायेंगे। श्री शर्मा सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी को बधाई देना चाहते है कि देश एवं प्रदेश में मोदी का आमजन में भरोसा हैं, भरोसा यह है कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं वो करते हैं, उस भरोसे का ही कारण रहा कि राजस्थान के अंदर ऐसे क्षेत्र थे जहां कई बार भाजपा नहीं जीत रही थी वहां की जनता ने बदलाव लाने का काम किया और भाजपा बहुत बडे अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह महीने में श्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने ऐसे काम किए है जो कई वर्षों से अटके हुए थे उनके रास्ते साफ हो गये और जनता को भरोसा हो गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो प्रदेश एवं देश का विकास कर सकती है और हमारी योजनाएं एवं हमारी सरकार का बजट क्योंकि हमने प्रदेश की सभी दो सौ विधानसभा क्षेत्रों मे बजट दिया हैं। जबकि पहले की सरकार यह देखती थी कि जहां उनका विधायक हैं वहां तक ही काम होता था लेकिन हमने जहां आवश्यक है वहां तक काम करके दिया गया हैं। श्री शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान की आठ करोड़ जनता के लिए काम करते हैं और मोदी कहते है युवा, महिला, किसान एवं मजूदर ये चार जातियां है।

और इनके उत्थान एवं विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्प है साथ ही 11 महीने में जो काम किया हैं।

संभल मामले में उप्र सरकार का रवैया दुर्भाग्यपूर्णः राहुल गांधी

● यूपी के संभल में हुई हिंसा को लेकर भड़के राहुल-प्रियंका, सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की

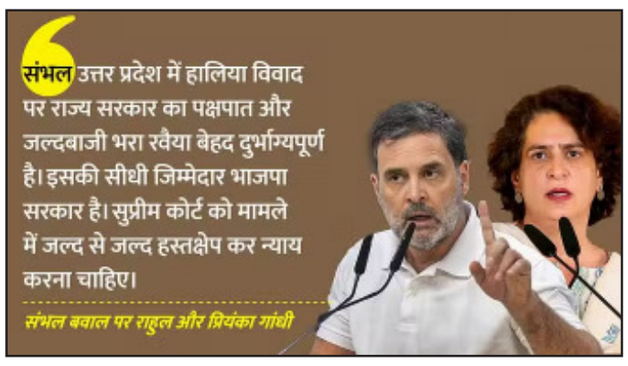

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ष्संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया।ष उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार को मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा है। समाजवादी पार्टी से लेकर बसपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे को उठाया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से न्याय की अपील की है। क्या बोले राहुल गांधी? लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ष्संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना – जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। भाजपा का सत्ता का उपयोग हिंदू-मुसलमान समाजों के बीच दरार और भेदभाव पैदा करने के लिए करना न प्रदेश के हित में है, न देश के। मैं सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर न्याय करने का अनुरोध करता हूं। ष उन्होंने आगे कहा, ष्मेरी अपील है कि शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखें। हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है। कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े।ष प्रियंका गांधी क्या बोलीं? वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ष्संभल में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

षडयंत्र जारी

जम्मू–कश्मीर में निर्वाचित नई सरकार बनने के बाद शांति और विकास की तरफ बढ़ने की उम्मीदों पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी पानी फेरने का षड्यंत्र रच रहे हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी गिरोहों ने जम्मू–कश्मीर को फिर से अस्थिर करने के लिए हिंसक घटनाओं को तेज कर दिया है। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों के जवान लगातार शहादतें दे रहे हैं। किश्तवाड़ की मुठभेड़ में सेना के जेसीओ राकेश कुमार शहीद हुए और तीन जवान घायल हुए। गैर कश्मीरी नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। स्पष्ट है कि इन हमलों का मकसद इस केंद्र शासित प्रदेश में गैर–स्थानीय कामगार आबादी के बीच डर की भावना पैदा करना और सुरक्षा बलों की ओर से असमानुपातिक प्रतिक्रिया को उकसाना था जो इस संघर्षग्रस्त प्रांत में आतंकवादियों द्वारा अक्सर इस्तेमाल की जाने वाली चाल है। प्रशासन, जिसमें उप–राज्यपाल का कार्यालय और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार शामिल है, को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को निशाना बनाने के क्रम में स्थानीय समुदायों के खिलाफ ष्राज्य के दमन" को न्यौता देने की आतंकवादियों की इस चाल में न फंसें। अलगाववादी नेताओं समेत पूरी कश्मीरी राजनीति ने नागरिकों पर इन हमलों की निंदा की है और इससे आतंकवादियों को पनाह देने वाले लोगों तक संदेश पहुंचना चाहिए।

घाटी में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर भी निराशा और खिन्नता है लेकिन इसने अभी तक 1990 के दशक की अराजकता (जब हर तरफ उग्रवाद और आतंकवाद था) की पुनरावृत्ति का रूप नहीं लिया है। एक नयी सरकार गठित होने के साथ प्रशासन आतंकवादियों को अलग–थलग करने के लिए बेहतर स्थिति में है और इसके लिए हर कोशिश की जानी चाहिए। सुरक्षा ऑडिट के जरिए घाटी में गैर–स्थानीय कामगारों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना ऐसी ही एक उपयोगी कोशिश होगी। एक अन्य उपयोगी कोशिश यह होगी कि आतंकवादियों को अलग–थलग करने और उन्हें इंसाफ के कटघरे में लाने के लिए नागरिकों को मनाया जाए। कुछ दिन पहले किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाके में आतंकवादियों ने आईएसआई की तर्ज पर दो ग्राम रक्षा गार्डों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पहले इन दोनों गार्डों का अपहरण किया गया फिर इनकी आंखों पर पट्टी बांधकर इनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

अहिंसा सबसे महान धर्म

अशोक प्रवृद्ध

श्रीकृष्ण ने दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल देने का उपदेश देता हुए कहा है– विनाशाय च दुष्टकृताम्। अर्थात– दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल दो। ऐसा करके ही अहिंसा का पालन व सत्य की रक्षा अनेक अवसरों पर होती है। इसलिए मनुष्यों को अहिंसा का प्रयोग करते हुए विवेक से कार्य लेना चाहिए। एक सीमा तक ही लोगों का बुरा व्यवहार सहन करना चाहिए और उसके नहीं सुधरने पर उसका समुचित निराकरण यथायोग्य व उससे भी कठोर व्यवहार करके करना चाहिए।

भारतीय परंपरा में अहिंसा और सत्य भाषण समस्त प्राणियों के लिए अत्यंत हितकर माने गए हैं। अहिंसा सबसे महान धर्म है, परंतु वह सत्य में ही प्रतिष्ठित है। सत्य के ही आधार पर श्रेष्ठ पुरुष के सभी कार्य आरंभ होते हैं। महाभारत, वनपर्व में कहा गया है दृ

अहिंसा परमो धर्मरू स च सत्ये प्रतिष्ठितरू।

अर्थात– अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है और सत्य पर ही टिका होता है। सत्य में निष्ठा रखते हुए सारे काम संपन्न होते हैं।

वेद सत्य ज्ञान की पुस्तक है। वेद का अर्थ ही ज्ञान होता है। सत्य का अर्थ सत्तावान होता है। जिस पदार्थ की सत्ता है, उसके गुण, कर्म व स्वभाव अवश्य होते हैं, उनका यथार्थ अथवा ठीक –ठीक ज्ञान सत्य कहलाता है। ईश्वर की सत्ता है तथा जीवात्मा और प्रकृति की भी सत्ता है। इसलिए यह तीनों पदार्थ सत्य कहे व माने जाते हैं। इसी तरह ईश्वर, जीवात्मा और प्रकृति के गुण, कर्म व स्वभाव का यथार्थ ज्ञान सत्य कहा जाता है। ईश्वर का प्रथम प्रमुख नाम ही सच्चिदानन्दस्वरूप है। सच्चिदानन्द तीन शब्दों का समुदाय है, जिसमें सत्य, चित्त और आनन्द इन तीन गुणों का समावेश है। सत्य किसी पदार्थ की सत्ता को कहते हैं। ईश्वर है और उसकी सत्ता भी है, यह यथार्थ है। इसलिए ईश्वर को सत्य कहा गया है।

वैदिक मत के अनुसार सत्य पर ही अहिंसा प्रतिष्ठित होता है। अहिंसा परम धर्म, परम तप और परम सत्य है, क्योंकि उसी से धर्म की प्रवृति होती है। महाभारत आदि पर्व, पौलोम पर्व 11ध्12, 11ध्13, अनुशासन पर्व, दानधर्म पर्व 116ध्28, 245ध्4 आदि श्लोकों में अहिंसा परमो धमर्रू कहा गया है। महाभारत अनुशासनपर्व, दानधर्म पर्व 116ध्28 के अनुसार अहिंसा परम धर्म, परम संयम, परम दान, परम तपस्या है। महाभारत अनुशासन पर्व दानधर्म पर्व 245ध्4 के अनुसार अहिंसा परम धर्म, परम सुख है। वैदिक ग्रंथों में में अहिंसा को परमपद बताया गया है। महाभारत अनुगीतापर्व आश्व मेधिकपर्व 43ध्20 व 43ध्21 के अनुसार अहिंसा सबसे श्रेष्ठ धर्म है और हिंसा अधर्म का लक्षण (स्वरूप) है।अहिंसा का अर्थ होता है अ–हिंसा अर्थात हिंसा न करना। दूसरों के प्रति वैर भावना का त्याग करना। किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान नहीं पहुंचाना। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है। दूसरों के प्रति वैर भाव अथवा कोई निजी स्वार्थ होने पर ही हम दूसरों के प्रति हिंसा करते हैं, जबकि कोई यह नहीं चाहता कि दूसरे लोग व प्राणी उनके प्रति हिंसा करें। हिंसा जिसके प्रति की जाती है, उसको हिंसा से दुरूख व पीड़ा होती है।

इसीलिए यदि हम चाहते हैं कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार न करे तो हमें भी दूसरों के प्रति हिंसा का त्याग करना होगा। दूसरों के प्रति अपने मन व ह्रदय में प्रेम व स्नेह का भाव उत्पन्न करने पर ही हिंसा दूर हो सकती है। इससे मन व ह्रदय में शांति उत्पन्न होगी, जिससे हमारा मन व मस्तिष्क ही नहीं अपितु शरीर भी स्वस्थ एवं दीर्घायु को प्राप्त होगा। इसलिए हर उस व्यक्ति को दूसरे प्राणियों के प्रति अहिंसा का व्यवहार करने के लिए उद्यत रहना चाहिए, जो दूसरों के द्वारा अपने प्रति हिंसा का व्यवहार करना पसन्द नहीं करते। महाभारत मोक्षधर्म पर्व शांतिपर्व 256ध्3 में हिंसा की निंदा की गई है–

अव्यवस्थितमर्यादैर्विमूढ़ैर्नास्तिकैर्नरैरू।
संशयात्मभिरव्यक्तैर्हिंसा समनउवर्णइतआ।

अर्थात– जो धर्म की मर्यादा से भ्रष्ट हो चुके हैं, मूर्ख हैं, नास्तिक हैं तथा जिन्हें आत्मा के विषय में संदेह है एवं जिनकी कहीं प्रसिद्धि नहीं है, ऐसे लोगों ने ही हिंसा का समर्थन किया है।

वैदिक ग्रंथों में ईश्वर, जीवात्मा और प्रकृति सहित मनुष्य के कर्तव्यों व मनुष्य जीवन के उद्देश्य व लक्ष्य का यथार्थ बोध कराया गया है। दूसरों को पीड़ा देना अधर्म कहलाता है। मनुष्य हो या पशुदृपक्षी, किसी को भी पीड़ा देना अधर्म व महापाप होता है। दूसरों को पीड़ा देना उनके प्रति हिंसा ही कही जाती है। इसलिए सबको अहिंसक स्वभाव व भावना वाला बनना चाहिए। ऐसा होने पर ही सही मायने में व्यक्ति में मनुष्यता के लक्षण दिखाई देते हैं। वेद मनुष्य को मनुष्य बनने की प्रेरणा व आज्ञा देते हैं– मनुर्भव।

इस एक शब्द में ईश्वर ने वेद के द्वारा मनुष्य को मनुष्य बनने अर्थात मननशील होकर सत्य का ज्ञान प्राप्त करने व उसका आचरण करने की प्रेरणा दी है। सबसे यथायोग्य व्यवहार करने की आज्ञा दी है। यथायोग्य का अर्थ होता है जैसे को तैसा। इस सिद्धांत पर नहीं चलने से हम असत्य व हिंसक आचरण करने वाले मनुष्य का सुधार नहीं कर सकते। हमारे विरोध ा न करने से उसकी हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। इसका दोष हम पर ही होगा।मनुष्य को सुधारने के चार तरीके होते हैं– साम, दाम, दण्ड और भेद। जो व्यक्ति सज्जन है उसे प्रेम से समझाया जा सकता है। यदि वह नहीं सुधरता तो कुछ दमन करना होता है। उस पर भी यदि वह न सुधरे और हिंसा का आचरण करे तो फिर उसको दण्ड अथवा अल्प हिंसा से युक्त दण्ड देकर ही सुधारा जा सकता है। अहिंसा का यह अर्थ कदापि नहीं होता कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार करे और हम मौन होकर उसे सहन करें। यदि ऐसा करेंगे तो हिंसक मनुष्य का स्वभाव और अधिक हिंसा वाला होगा और वह अन्य सज्जन लोगों को भी दुरूख देगा। वेद हिंसक मनुष्य या प्राणियों के प्रति यथायोग्य व्यवहार की ही प्रेरणा देते हैं।

इसीलिए श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल देने का उपदेश देता हुए कहा है– विनाशाय च दुष्टकृताम्। अर्थात– दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल दो। ऐसा करके ही अहिंसा का पालन व सत्य की रक्षा अनेक अवसरों पर होती है। इसलिए मनुष्यों को अहिंसा का प्रयोग करते हुए विवेक से कार्य लेना चाहिए। एक सीमा तक ही लोगों का बुरा व्यवहार सहन करना चाहिए और उसके नहीं सुधरने पर उसका समुचित निराकरण यथायोग्य व उससे भी कठोर व्यवहार करके करना चाहिए।

योगदर्शन के अष्टांग योग में योग का पहला अंग यम है। यम पांच होते हैं– अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह। आदि सनातन काल से ही ऋषि– मुनि, योगीजन अहिंसा व सत्य सहित पांचों यमों का पालन करते आये हैं। यह यम किसी एक मत के लिए नहीं अपितु यह सार्वजनीन हैं अर्थात् विश्व के सभी मनुष्यों के पालन व आचरण करने योग्य हैं। सभी को इसे जानकर इसकी मूल भावना के अनुसार सेवन व आचरण करना चाहिए। इसी से मनुष्य जीवन शोभायमान होता है।इस प्रकार स्पष्ट है कि वैदिक मत में अहिंसा को परम धर्म कहा गया है। लेकिन दुष्टों की दुष्टता को कुचल देने की आज्ञा भी दी गई है। इसीलिए रावण, कंस आदि की दुष्टता को श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि वैदिकधर्मियों ने अवसर हाथ लगते ही कुचलने में देर नहीं की। लेकिन महाभारत के बाद लोगों के वेद ज्ञान से दूर होने के कारण अहिंसा का यह अर्थ लोगों के मस्तिष्क में नहीं रह पाया। अन्य संस्कृतियों का उदय हुआ, और अन्य संस्कृतियों के संपर्क मे आने के कारण भारतीयों में भी मात्र दुष्टता को कुचलने के स्थान पर हिंसा प्रयोग करने के आदेश के प्रतिकूल यज्ञ, बाद में देव पूजन के नाम पर बलि के नाम पर पशु हिंसा का प्रचलन बढने लगा। जिसका वैदिक धर्म पर आश्रित लोगों ने तर्क– वितर्क, वाद– विवाद आदि तरीकों से विरोध व समझने का प्रयास भी किया, लेकिन वह प्रयास सफल नहीं हो सका।

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान बुद्ध ने भी अहिंसा का उद्घोष अपने उपदेशों में किया था। भगवान बुद्ध के उपदेशों का असर यह हुआ कि उस समय यज्ञों के दौरान जो पशु हिंसा होती थी, वह समाप्त हो गई। लेकिन अहिंसा के सत्य स्वरूप के साथ ही दुष्टों की दुष्टता को कुचल देने की आज्ञा देने की वैदिक वचन गौण हो गई, समाप्त हो गई। कालांतर में अहिंसा का ठीक प्रकार से अर्थ न समझ सकने के कारण परिणाम यह हुआ कि भारत पर अनेक आक्रमण हुए और यह गुलाम हो गया। बहरहाल, भारत में अत्यंत प्राचीन काल से ही अहिंसा का प्रचलन रहा है।वर्तमान में भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसात्मक तरीके से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एक भारतीय मोहनदास करमचंद गांधी के जन्म दिन 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जाता है। शांति और अहिंसा के विचार पर अमल करने और महात्मा गांधी के जन्म दिवस को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जून 2007 को एक प्रस्ताव पारित कर संसार से की थी।

ममता भाजपा की आँख की किरकिरी

ओमप्रकाश मेहता

केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के अश्वमेद्य यज्ञ का घोड़ा रोकने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी भाजपा की आँख की किरकिरी बनी हुई है, भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरे देश के सभी राज्यों पर श्एकछत्रय राज स्थापित करना है, किंतु पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्य बाधक बने हुए है, अब पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालातों को देखते हुए लगता है कि भाजपा ने आर–पार की लड़ाई शुरू करने की ठान ली है और भाजपा विरोधी नेताओं से हर तरीके से निपटने की ठान ली है, इसी का ट्रेलर मौजूदा पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है, इसलिए भाजपा ने भी तय कर लिया है कि वे हर कानूनी गैर–कानूनी कदम उठाकर अपनी मनोकामना पूरी करेगें, इसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े? इसलिए यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा अपनी कौशिशों में कामयाब नही होती है तो वहां राज्यस्तरीय अशांति के नाम पर सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जिसकी सिफारिश वहां के राज्यपाल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर पहले ही कर चुके है।

अब यहां मुख्य सवाल यह पैदा होता है कि पश्चिम बंगाल में जिस घटना को लेकर राजनीतिक उठापटक की जा रही है, वैसी घटनाएं तो भाजपा शासित उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में कई घट चुकी है, फिर वहां पश्चिम बंगाल की मौजूदा तर्ज पर आंदोलन क्यों नही हुए, भाजपा शासित उत्तरप्रदेश तो अपराधों का सबसे बड़ा केन्द्र माना जाता रहा है, जहां के मुख्यमंत्री अब शांति का दावा कर रहे है, तो क्या वास्तव में उत्तरप्रदेश श्अपराध शून्य प्रदेशय्य हो गया है, जबकि वहां के लोगों का यह कहना है कि वहां ऐसे अपराधों में कोई कमी नही आई है, उन्हें सार्वजनिक रूप देने पर सक्षम रोक लगाई गई है।

अब जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, वहां पिछले दो–तीन दिन से जो कुछ हो रहा है, उसके पीछे केवल और केवल भाजपा का ही हाथ बताया जा रहा है, वहां के छात्रों को इस विध्वंसक राजनीति का मोहरा बनाययया गया है और इस सबका एकमात्र राजनीतिक उद्देश्य पश्चिम बंगाल को श्अशांत राज्यय्य बताकर वहां की सरकार को भंग कर वहां राष्ट्रपति शासन कायम करना है, अब तक का यह इतिहास रहा है कि केन्द्र में जिस दल की भी सरकार होती है, वह विरोधी पार्टी की राज्य सरकारों को इसी तरह गिरती आई है और राष्ट्रपति शासन कायम करती आई है, आज विपक्ष में विराजित कांग्रेस ने भी केन्द्र में सरकार रहते, विरोधी दलों की राज्य सरकारों पर अनेक बार यही सलूक किया है, इसलिए आज केन्द्र में विराजित सरकार पश्चिम बंगाल को लेकर जो सोच रही है, वह भारतीय राजनीति में कोई नया नही है।

पश्चिम बंगाल के बारे में कोर्ठ सख्त कानूनी कदम उठाने के पहले भारतीय जनता पार्टी इस पहलू पर भी गंभीर चिंतन कर रही है कि केन्द्र के इस कदम का अगले एक दो महीनों में होने वाले कुछ राज्यों के विध ाानसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा, इसी मसले पर अभी भाजपा में गंभीर चिंतन जारी है, जिसकी बागडोर गृहमंत्री अमित शाह संभाल रहे है।

इस प्रकार कुल मिलाकर मौजूदा समय इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि क्योंकि भारत के राजनीतिक दल अपनी भावी योजनाओं के गंभीर चिंतन में वयस्त है तथा मुख्यतरू भाजपा पूरे देश पर श्एकछत्र राजय स्थापित करने के मंसूबों में व्यस्त है, अब ऐसे में देश में विकास व जनहित की योजनाओं पर मंथन शून्य हो गया है।

गांधी विपक्ष के हैं तो पक्ष के भी हैं

संदीप जोशी

बनारस में जमीन मुद्दे पर सर्व सेवा संघ अहिंसक संघर्ष का नया अध याय गढने में लगा है। विकास की चकाचौंध दर्शाने के चक्कर में सरकारी प्रशासन तंत्र वहां की जमीन हड़पने में लगा। महात्मा गांधी के जाने के बाद विनोबा भावे और उनके साथियों ने गांधी विचार के प्रसार–प्रचार के लिए बनारस में सर्व सेवा संघ–साधना केन्द्र बनाया था।

गांधी विपक्ष के हैं तो पक्ष के भी हैं। सत्ता के हैं तो शासित के भी हैं। गांधी अगर विरोधी के हैं तो निर्विरोधी के भी हैं। कांग्रेस के गांधी हैं, तो भाजपा के व आप के भी गांधी हैं। समतावाद के गांधी हैं तो समाजवाद के भी। दक्षिणपंथी के गांधी हैं तो वामपंथी के भी। दलित के भी और सवर्ण के भी गांधी हैं। आस्तिक के गांधी हैं तो नास्तिक के भी हैं। आध्यात्म के गांध ाी हैं तो वस्तुवाद के भी। सेवानीति के गांधी हैं तो राजनीति के भी हैं। मानव के हैं तो समाज के भी गांधी हैं। सर्वपंथ प्रार्थना करने वाले के गांधी हैं तो सर्वोदय के लिए उपवास करने वाले के भी गांधी हैं। गांधी व्यक्ति भी हैं और महात्मा भी। यहां भी हैं और वहां भी। देश में हैं तो विदेश में भी हैं। यानी गांधी सर्वव्यापी हैं। और व्यक्तिवादी भी। संघर्ष में गांधी हैं तो सहमति में भी गांधी हैं।

ष्पहले वे तुमको अनदेखा करेंगे। फिर तुम पर हंसेंगे। तुमसे लड़ेंगे, तोड़–फोड़ व मार–पीट करेंगे। मगर फिर जीत तुम्हारी होगी।ष सत्य के आग्रह का यह मंत्र महात्मा गांधी ने न्यायपूर्ण, अहिंसक संघर्ष के लिए पूरे संसार को दिया। बेशक सत्य स्थापित होने में सहनशीलता और समय लगता है।

मगर सिर्फ समय से ही असत्य भी मिटता है। सत्य के लिए संघर्ष तो संयम, परिश्रम, त्याग और करुणा से ही हो सकता है। सत्याग्रह ही सत्य की कुंजी है। देश भर में दो अक्टूबर को गांधी जयंती नए होश, नए जोश और नए उत्साह में मनी। लेकिन आज गांधीजी के अहिंसा के विचार को विश्वशांति के लिए प्रस्तुत करने के बजाए सरकार कुशासन से पूर्ण–सत्ता कायम करने में ही लगी दिखती है।

बनारस में जमीन मुद्दे पर सर्व सेवा संघ अहिंसक संघर्ष का नया अध याय गढने में लगा है। विकास की चकाचौंध दर्शाने के चक्कर में सरकारी प्रशासन तंत्र वहां की जमीन हड़पने में लगा। महात्मा गांधी के जाने के बाद विनोबा भावे और उनके साथियों ने गांधी विचार के प्रसार–प्रचार के लिए बनारस में सर्व सेवा संघ–साधना केन्द्र बनाया था।

उत्तर रेलवे से नियमानुसार खरीदी जमीन का हस्तांतरण पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के प्रयास, डॉ राजेन्द्र प्रसाद की तकनीकी उपस्थिति

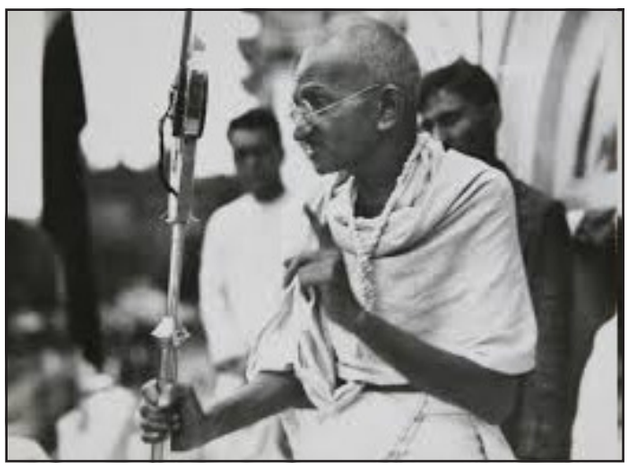

और तत्कालीन रेलमंत्री जगजीवन राम की स्वीकृति से हुआ था। इसी परिसर में जेपी के प्रयास से एक विश्वस्तरीय शोध केन्द्र दृ गांधी विद्या संस्थान भी बना। प्रकाशन विभाग से गांधी, विनोबा, जेपी, जेसी कुमारप्पा, दादा धर्माधिकारी, जे कृष्णमूर्ति, धीरेन्द्र मजूमदार, आचार्य राममूर्ति, नारायण देसाई, ठाकुरदास बंग एवं आचार्य शिवानंद जैसे विद्वान मनीषियों की पुस्तकें छपती रही।

समाज में विचार के स्वतंत्र विकास में लगी संस्था पर सरकारी प्रशासन ने पिछले साल जुलाई–अगस्त में गैर कानूनी तरीके से जमीन पर कब्जा जमाया। प्रकाशन व शोध के काम में लगे लोगों के करने–रहने के भवन गिराए। वैचारिक विरासत को नष्ट किया। न्याय के लिए लड़ाई विरासत मुक्ति आंदोलन से शुरू हुई है। सौ–दिन का सत्याग्रह दृ श्न्याय के दीप जलाएंय 11 सितंबर को विनोबा जयंती पर शुरू हुआ। जो गांधी जयंती, जेपी पुण्यतिथि व जयंती, विनोबा पुण्यतिथि, सरदार पटेल जयंती व मानवाधिकार दिवस मनाते हुए 19 दिसंबर तक चलेगा।

कैसे भी अन्याय के विरोध में गांधी की अहिंसक लड़ाई प्रार्थना से शुरू और प्रार्थना पर ही समाप्त होती। दिन भर विरोध करने वालों का उपवास रहता। आपस में बातचीत होती। आते–जाते लोगों को मुद्दे के बारे में बताया जाता। यानी विचार, त्याग व करुणा के अलावा दृढ़ता से विरोध जताया जाता। नए लोगों को जुडने के लिए प्रेरित किया जाता। इसी तरह नए लोग नयी समझ, और नई दृढ़ता से अहिंसक आंदोलन चलाते। फिर शाम की प्रार्थना के बाद उपवास तोड़ा जाता। शाम ढलते अपने ठिकानों पर लौट कर अगले दिन की तैयारी होती। आज के बुल्डोजर राज में यह लड़ाई बेमानी और हास्यास्पद लग सकती है। लेकिन सत्य के आग्रह के लिए सभ्य समाज की ऐसी ही अहिंसक लड़ाई होनी चाहिए।सत्याग्रह का संघर्ष कुछ के लिए लंबा, कष्ट व त्याग भरा तो रहता ही है लेकिन समाज के लिए शांति व सौहार्द भी लाता है। सत्ता को सदबुद्धि भी देता है। और अपनाए गए गैर कानूनी तरीकों को सुधारने की हिम्मत भी। बनारस में सत्ता के गांध ाी और समाज के गांधी आमने सामने हैं। वसमाज न्याय का दीप जलाए रखेगा। आशा सत्य और अहिंसा की जीत की रहेगी।

दफ्तर के आसपास की सफाई कराने डीएफओ की नही है दिलचस्पी

मामला जिला मुख्यालय बैढ़न के वन मण्डलाधिकारी के कार्यालय परिसर के ईर्दगिर्द

शक्तिनगरध्सोनभद्र ।(आरएनएस) स्वच्छ भारत अभियान को लेकर प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी संवेदनशील हैं। लेकिन प्रदेश सरकार के नुमाईदे प्रध ाानमंत्री के इस महत्वाकांक्षी मिशन के प्रति कितने संजीदा हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण जिला मुख्यालय बैढ़न के दो महत्वपूर्ण अधि ाकारियों के दफ्तर के ईर्दगिर्द, कचरे से पटी झाड़ियां हैं। इस तरह के हालात कहीं दूर जाने की जरूरत नही है, बल्कि वन मण्डलाधिकारी दफ्तर के ईर्दगिर्द ठीक प्रवेश द्वार से गुजरने वाली नालियां हैं। जहां कचरे में ही उनका अस्तित्व मिटता जा रहा है।

डीएफओ की नजरे शायद इन कचरे से पटी नालियों पर नही पड़ रही है। जबकि डीएफओ एवं एसडीओ सहित उक्त अधिकारियों का आना-जाना दफ्तर में बराबर है। दरअसल स्वच्छ भारत अभियान को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे सफल बनाने के लिए अभी भी पूरी जोर-शोर से लगें हुये हैं। ताकि गांव, शहर, दफ्तर, रेलवे स्टेशन सब कुछ साफ-स्वच्छ रहें और गंदगी से बीमारियां न फैले। किन्तु आरोप है कि प्रदेश सरकार के नुमाईदे ही प्रध ाानमंत्री की इस अभियान पर पलीता लगाने में पीछे नही दिख रहे हैं या फिर स्वच्छ भारत अभियान के प्रति गंभीर नही हैं। कागजीखाना पूर्ति के लिए भले ही सक्रिय दिखे। लेकिन धरातल में उनकी संजीदगी कितनी है। दफ्तर के बाहर बाउंड्री व प्रवेश द्वार के ईर्दगिर्द की नालियां ही अपने-आप में सब कुछ बयां कर रही हैं। हालांकि नालियों की साफ-सफाई कराने का जिम्मा नगर निगम को है। किन्तु चाहते तो नगर निगम के अफसरों को बोलकर साफ-सफाई कराने के लिए दबाव बना सकते हैं। ऐसी चर्चाएं उक्त विभाग के कर्मचारियों में भी है।

परन्तु कचरे से पटी नालियों को देखने से ही पता चलता है कि शायद कई महीनों से ननि के साफ-सफाई कर्मियों की नजर इन नालियों पर नही पड़ी और न ही वन मण्डला अधिकारी साफ-सफाई कराने के प्रति संवेदनशील दिखे। इतना ही नही बाउंड्री के ठीक सामने प्रवेश द्वार के ईर्दगिर्द झाड़ियां भी हैं। इन झाड़ियों की भी सफाई पिछले कई महीनों से नही कराई गई है। लिहाजा वन मण्डल कार्यालय की बाउंड्रियां की सुन्दरताएं भी गायब हो चुकी हैं। फिलहाल प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के प्रति दो जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी अब और जोर-शोर से तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं। साहवानों की साफ-सफाई।

वर्दीधारी थानाध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का पैर छूकर लिया आर्शीवाद

चायल, कौशांबी ।चरवा थानाक्षेत्र के समसपुर गांव में आयोजित दंगल में पहुंचे मुख्य अतिथि का पैर छूकर आर्शीवाद लेते थानाध्यक्ष की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है ।सोशल मीडिया पर फोटो के वायरल होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले में चुप्पी साध ली है। वायरल फोटो में देखा जा सकता है कि दरोगा जी पी कैप के साथ वर्दी ध ाारण कर मुख्य अतिथि के पैर छूकर आर्शीवाद ले रहे हैं ।समसपुर गांव में शनिवार को दंगल का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रयागराज के पूर्व आईजी लालजी शुक्ला आये थे। तय समय के अनुसार शाम को मुख्य अतिथि समसपुर गांव पहुंचे। थाना प्रभारी ने वर्दी और पी कैप लगाकर मुख्य अतिथि का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसी दौरान किसी ने दरोगा जी के मुख्य अतिथि का पैर छूते हुए फोटो बना ली। कुछ ही देर में फोटो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी। सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह के कमेंट करने लगे। फोटो वायरल हुआ तो प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले में चुप्पी साध ली है। खाकी पहनकर किसी के पैर छूना खाकी का अपमान माना जाता है।

कैंप का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। उपखंड अधिकारी अंकित सिंह के आदेश अनुसार अमर सिंह पटेल के नेतृत्व में हड़िया गांव में पुलिस लाइन पावर हाउस के संविदा कर्मियों द्वारा कैंप का आयोजन किया गया।

संक्षेप

गड्ढा मुक्त में खेल, मंशा फेल

सुल्तानपुर । खस्ताहाल सड़कों को गड्ढा मुक्त किए जाने की शासन की मंशा को जिम्मेदार फेल कर रहे हैं। ठेकेदारों की मिलीभगत से जर्जर सड़कों को गड्ढा मुक्त किए जाने के नाम पर बड़ा 'खेल' हो रहा है। इस तरह से सड़कें गड्ढा मुक्त की जा रही हैं कि इधर गड्ढा भरते जा रहे हैं, उधर गिट्टियाँ फैलती जा रही हैं। शिकायत के बाद भी कोई अधिकारी इस धांधली पर नजर दौड़ाने की जहमत नहीं उठा रहा है। बात करते हैं करीब 4 किलो मीटर लंबे छतौना-कुछमुछ मार्ग की। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के इस मार्ग से करीब पचासों हजार की आबादी आवागमन करती है। दर्जन भर से अधिक गांवो के लोगों के लिए शहर पहुँचने के लिए एकमात्र मार्ग है। रोजाना सैकड़ों विधार्थी इसी ऊबड़ खाबड़ मार्ग से स्कूल आते जाते हैं। इस सड़क पर सैकड़ों स्थानों पर जानलेवा गड्ढे हैं। शासन के निर्देश पर इन दिनों सड़क गड्ढा मुक्त की जा रही है। बगैर सड़क कि ठीक से मिट्टी हटाये गड्ढों में तारकोल कम केमिकल का मिश्रण ज्यादा करके गिट्टी डाली जा रही है। भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि इधर सड़क बनाते जा रहे हैं, उधर सड़क की गिट्टियाँ उखड़ती जा रही है। इतना ही नहीं सिर्फ बड़े गड्ढो को गिट्टी से मुंदा जा रहा है, छोटे गड्ढों और बारिश में बही सड़क की पटरियों को नजरंदाज किया जा रहा है। इस तरह हो रहे गड्ढा मुक्त अभियान से राहगीरों को खस्तहाल सड़क से निजात मिलती नहीं दिख रही है। सिर्फ जनता की सहूलियत के नाम पर जिम्मेदार अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। इस बाबत अवर अभियंता लोनिवि महेश यादव का कहना कि सड़क के गड्ढा मुक्त अभियान विशेष प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि यदि मानक के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है तो इसकी जांच की जाएगी। कहा कि मैं तत्काल रामजी से बात करता हूँ। उन्हीं के द्वारा कार्य देखा जा रहा, वे मौके पर हैं।

सुबह हुई बारिश से पड़ने लगी ठंड

चित्रकूट। जिले में सोमवार को सुबह से लगभग एक घंटे तक बारिश हुई। इससे मौसम में परिवर्तन शुरु हो गया। सुबह शाम हल्की ठंड पडने लगी है। जिसको लेकर कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि रबी की फसल की बुआई के लिए तैयारी शुरु कर दे। सरसों की फसल की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। गनीवा कृषि फार्म के मौसम वैज्ञानिक मनोज शर्मा ने बताया कि रबी की फसल की बुआई के लिए मौसम अनुकूल होने लगा है। जिन किसानों के खेत खाली पड़े वह सरसों की फसल की बुआई कर सकता है। इसके लिए सरसों के बीज आरएस 725, बीआरएस व आजाद महान बीज जो इस मौसम के अनुकूल हैं। इनकी बुआई बीज शोधन के बाद कर सकते है। बताया कि खरीफ की फसल में उर्द व मूंग की फसल की कटाई किसानों ने कर लिया है। इन खेतों की जोताई कर सरसों की बीज की बुआई की जा सकती है। बताया कि यह मौसम धान की फसल के लिए फायदे मंद है। प्रगतिशील किसान शिवकुमार शुक्ला ने बताया कि दो दिनों से आकाश में बदली छायी हुई है। हल्की हल्की बारिश भी हुई है। यह धान की फसल के लिए फायदे मंद है। जबकि बजारा व ज्वार की फसल के लिए नुकसानदायक है।

सड़क किनारे खंती में गिरी बाइक

चित्रकूट। सरधुआ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खोपा के मजरा सिकरी मे ममेरे भाई के साथ दो सगे भाई बाइक से भदेहदू गांव निमंत्रण पर जा रहे थे। अचानक बाइक अनियंत्रित हो जाने से खंती में जा गिरी। इससे मौके पर ही एक की मौत हो गई है। जबकि दो लोग घायल हो गए हैं ।सोमवार की रात करीब नौ बजे ग्राम पंचायत पनौटी निवासी राज वर्मा (14) पुत्र शिवदास, छोटे भाई अनुज (12) अपने ममेरे भाई आशीष (19) पुत्र लवलेश के साथ बाइक से भदेहदू निमंत्रण पर जा रहे थे। बाइक अनियंत्रित हो जाने से खंती में गिर गई। जिससे राज वर्मा की मौके पर मौत हो गई। आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। अनुज को मामूली चोटे आई हैं। मृतक राज वर्मा के दादा अर्जुन ने बताया कि तीनों लोग बाइक से भदेहदू निमंत्रण जा रहे थे। रास्ता भटक जाने से खोपा ग्राम के मजरा सिकरी पहुंच गए। दुर्घटना के बाद तीनो घायल दशा में पड़े थे। पास के खेत में पानी लगाए हुए एक किसान ने देखा और भदेहदू निवासी मृतक के नाना गोरेलाल को जानकारी दी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजापुर में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने राज वर्मा को मृत घोषित कर दिया। आशीष की हालत गंभीर होने के चलते जिला अस्पताल रेफर किया है। मृतक दो भाइयों में बड़ा था। मां सेमिया व अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक सरधुआ आशुतोष तिवारी ने बताया कि शव का पंचनामाम कर पोस्टमार्टम कराया है।

कोल्ड फॉगिंग का होगा इस्तेमाल

लखनऊ(आरएनएस)। नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल, भारत सरकार द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए की जा रही थर्मल फॉगिंग के स्थान पर अब कोल्ड फॉगध्यू.एल.वी. (अल्ट्रा लो वोल्यूम) का स्पेस स्प्रे करने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में भी कोल्ड फॉगिंग का प्रयोग किया जाएगा ।वर्तमान में लखनऊ में बढ़ते वायु प्रदूषण को ध यान में रखते हुए, प्रातः और सांय काल के दौरान तापमान कम होने के कारण थर्मल फॉग का प्रयोग उचित नहीं समझा जा रहा है। इस कारण से थर्मल फॉग के स्थान पर कोल्ड फॉगध्यू.एल.वी. स्पेस स्प्रे और एंटीलार्वा छिड़काव के माध्यम से निरोधात्मक गतिविधियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश नगर स्वास्थ्य अधिकारी महोदय, नगर निगम लखनऊ द्वारा जारी कर दिए गए हैं।

समस्त समस्याओं का निस्तारण

लखनऊ(आरएनएस)। प्रत्येक शुक्रवार को होने वाले समाधान दिवस का आयोजन इस बार लखनऊ नगर निगम मुख्यालय स्थित त्रिलोकीनाथ हॉल में किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त अधिकारी स्वयं समाधान दिवस में उपस्थित रहेंगे और लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु आदेशित करेंगे ।समाधान दिवस के दौरान जी.आई.एस. सहित अन्य विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया जाएगा, ताकि नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

ब्रेकर पर उछले ट्रैक्टर-टाली से कुचल कर जीजा की मौत

सोनभद्र । सदर कोतवाली अंतर्गत कलवारी-खलियारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिजौली मोड़ पर स्थित ऊंचे ब्रेकर पर तेज रफ्तार आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 26 वर्षीय जीजा की जहां घटना स्थल पर ही मौत हो गयी वहीं 25 वर्षीय साला गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे स्थानिय लोगों द्वारा एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लोढ़ी भेजवाया गया। घटना से आक्रोषित लोगों ने राबर्ट्सगंज-खलियारी मार्ग को जांम कर हंगामा करना शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी और क्षेत्राधिकारी डा0 चारू द्विवेदी के द्वारा कड़ी कार्यवाही का भरोसा दिये जाने के बाद लोग शांत हुए। बताया जाता है कि रायपुर थाना क्षेत्र के नंदना निवासी सुनील कुमार यादव पुत्र रामरक्षा यादव अपने साला गढ़वा थाना क्षेत्र के चक्रघटा जिला चंदोली निवासी प्रमोद यादव के साथ बिजौली मोड़ के पास स्थित बाटी-चोखा की दुकान पर बाटी-चोखा खाकर बाइक पर बैठने जा रहे थे।

दुष्कर्म व धमकी देने में पाक्सो सह आरोपित को मिली जमानत

अयोध्या। खण्डासा थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी साथ दुराचार करने एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में जेल की सलाखों के पीछे निरूद्ध पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद की संबंधित कोर्ट से राहत मिल गयी है। विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम निरूपमा विक्रम ने न्यायालय में प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के पश्चात पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद की जमानत अर्जी मंजूर करने का आदेश पारित किया है।

इसके पहले न्यायालय में सुनवाई के दौरान पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद के पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्त शावेज जाफरी व सतीश वर्मा ने पैरवी किया। बहस के दौरान तर्क दिया कि पाक्सो आरोपित निर्दोष है और महज रंजिशन मुकदमा में झूंठा फंसाया गया है उसके विरूद्ध प्रथम दृष्टया कोई अपराध नहीं बनता है न ही मुकदमें में कोई स्वतंत्र गवाह है। प्रथम सूचना रिर्पोट के अवलोकन से स्पष्ट है कि सह आरोपित ने पीड़िता के साथ काई दुष्कर्म नहीं किया है और न ही जान से मारने की धमकी दी है जमानत प्रार्थना पत्र की याचना की है। अभियोजन पक्ष के अनुसार अयोध्या से खंडासा थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासिनी 16 वर्षीय किशोरी ने 4 सितम्बर 2024 को तहरीर देकर मानू उर्फ आन मोहम्मद पर आरोप लगाया था कि 20 दिन पहले उसे सूनसान स्थान पर बुलाया गया इस दौरान उसके साथ शहबान पुत्र वारिस ग्राम राम पट्टी थाना खंडासा ने उसका हाथ पकड़कर गिरा दिया और मानू के सामने ही शारीरिक संबंध बनाया यह बात पीड़िता ने किसी को नहीं बताया इसके पश्चात 2 सितम्बर 2024 को दिन में उसके घर आकर आरोपियों ने उसे व परिवार को जान से मारने की धमकी दिया तभी से उसका परिवार भयभीत है।

कार्यालय कर विभाग, नगर निगम, प्रयागराज

जोन कार्यालय जोन-01 खुल्दाबाद

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों क्रेतागणों, वारिसानों व अन्य सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग जोन-01 खुल्दाबाद में विचाराधीन है। सम्बन्धित पक्षों को धारा 213 की नोटिस पंजीकृत डाक से भेजी जा चुकी है एवं सम्बन्धित भवन पर चस्पा करवाई गई है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाणों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर आपत्ति दाखिल कर दे अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी।

क्र. सं.	रजि. सं.	भवन संख्या	अभिलेखों में दर्ज नाम	दर्ज होने वाले का नाम	दर्ज आधार पंजीकृत
1	817	18/7/48, करवला	सुन्दर देवी पत्नी जगन्नाथ	रमाशंकर सोनकर	वरासतन
2	818	बी-291/1, करैली	हबीवा खातून	इश्तियाक अहमद	दानपत्र
3	819	सी-18, करैली	मिठाई लाल	दर्ज नाम के साथ बिलकीस जहाँ	बैनामा
4	820	156 जी, करैलाबाग	अनीस अहमद	जाकिया खातून अंसारी	वरासतन
5	821	सी-811, करैली	मोहम्मद शावेज	मरूज अहमद सिद्दीकी	बैनामा
6	822	4बी/6, लूकरगंज	दीनबन्धु आनन्दमय	दिवेश कुमार जायसवाल शेषनाम यथावत रहेगा।	वरासतन
7	823	15ई/1ए/आर, चकिया	राकेश कुमार कुशवाहा	दर्जनाम के साथ तारावती मौर्या	दानपत्र
8	824	15/ई/1ए/आर, चकिया	राकेश कुमार कुशवाहा	आदित्य कुमार	दानपत्र
9	825	133/4बी, बेनीगंज	ऊषा देवी	दर्ज नाम के साथ अनिल कुमार श्रीवास्तव	बैनामा
10	826	21सी/2सी, पूरा मदारी	मो. नसीम	दर्ज नाम के साथ समीना खातून	बैनामा
11	827	29/5ए/2बी, ऐनुद्दीनपुर	अब्दुल रहीम	बुशरा	बैनामा
12	828	14/13/1जी, लीडर रोड	राजेन्द कुमार गर्ग	नीलम कुमारी	वरासतन
13	829	55/11के/जे-1, भावापुर	आरेन्द्र कुमार	नन्द लाल पाण्डेय	बैनामा
14	830	30/1, चकनिरातुल	भाई लाल	श्यामजी व सोहन	वरासतन
15	831	11/11 एफ एफ ब्लाक-1, लूकरगंज	अरून मारकस	शशि भूषण पाठक	बैनामा
16	832	197/250, नूरउल्ला रोड	जफर मिर्जा	कुलदीप मिश्रा शेष नाम यथावत रहेगा	बैनामा
17	833	आर एफ/152/1ए, ओम प्रकाश सभासद नगर	आशीष चतुर्वेदी	दर्ज नाम के साथ प्रियंका केसरवानी पत्नी दिलीप केसरवानी	बैनामा
18	834	225/173ए, कसारी मसारी	मरलीधर पुत्र श्री बच्चू लाल	दर्ज नाम के साथ लवकुश कुमार	दानपत्र
19	835	47/आर/8ई, ओमप्रकाश सभासद नगर	रेनू गौड़	दर्ज नाम के साथ रानू केसरवानी	बैनामा
20	836	सी-689, करैली	पुष्पा वाली	अनिल वाली आदि	वसीयतनामा
21	837	176 एल.आई.जी. कसारी मसारी	निर्मला सिंह	अरूण कुमार श्रीवास्तव	बैनामा
22	838	जी-आई 496, ओम प्रकाश सभासद नगर	मधु शर्मा	दीपक शर्मा	वरासतन
23	839	210ए/127/1, लूकरगंज	भल्लामल	रामकुमार मध्यान वगैरह	वरासतन

पत्रांक : 3287//ज.सम्पं.अपि./2024
दिनांक-22.11.2024

जोनल अधिकारी,
जोन-01 नगर निगम प्रयागराज

भाजपा में ही दिखाई देता है लोकतंत्र का दर्शन - राजेंद्र मिश्रा

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय सिविल लाइन कार्यालय में जिले के चुनाव सह अधिकारी कुंज बिहारी मिश्रा एवं राजेश सिंह पटेल

के द्वारा संगठन का बूथ पर चुनाव कराने को लेकर बैठक की गई इस अवसर पर मंडल के चुनाव अधिकारियों के साथ मंत्रणा कर आम सहमति से शक्ति केंद्र के चुनाव अधिकारियों की घोषणा की गई इस अवसर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र ने सभी नवनियुक्त शक्ति केंद्र के चुनाव अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा होने वाले संगठन का चुनाव भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के अंदर और जोश भरेगा और संगठन को और ताकत मिलेगी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही दुनिया का एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जहां लोकतंत्र का दर्शन दिखाई देता है और दलों में परिवार को बढ़ावा देने का काम किया जाता है लेकिन भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जाता है हमें विश्वास है कि चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की योग्य कार्यकर्ता आगे आकर भाजपा को विकसित भारत के निर्माण में ताकत बनेंगे जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि महानगर के सभी 2621शक्ति केंद्र के चुनाव अधिकारी घोषित किए गए और 26 नवंबर को प्रयागराज महानगर जिले की चुनाव अधिकारियों की कार्यशाला पार्टी कार्यालय सिविल लाइन में दोपहर 2 बजे होगी जिसमें जिले के चुनाव अधिकारी पूर्व सांसद रामशंकर कठेरिया कार्यशाला को संबोधित करेंगे इस अवसर मृत्युंजय तिवारी, नवरत्न कत्याल ,वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी रमेश पासी मनोज कुमार कुशवाहा,अर्चना शुक्ला , गीता विश्वकर्मा,संजय श्रीवास्तव, अरुण कुमार, सचिन जायसवाल, आदि मंडल के चुनाव अधिकारी रहे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 नवंबर को प्रयागराज आएंगे।

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के निरीक्षण को लेकर 27 नवंबर को सुबह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का प्रयागराज आगमन होगा भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि मुख्यमंत्री 10रू50 बजे प्रयागराज के एयरपोर्ट पहुंचेंगे और प्रयागराज के इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के द्वारा आयोजित एमएनआईटी के कार्यक्रम में शामिल होंगे तत्पश्चात कुंभ मेले के कार्यों का निरीक्षण के लिए संगम दौरा करेंगे और दोपहर 12रू30 बजे सर्किट हाउस जाएंगे और 1रू20 पर नगर निगम जाएंगे और स्वच्छता हेतु बनाए गए कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए अनावरण करेंगे तत्पश्चात नगवासुकी मंदिर जाएंगे और दर्शन करेंगे तत्पश्चात गंगा रीवर फ्रंट, गंगा पर बना रहे पांटून पुल का काम, और 13 दिसंबर को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम स्थल संगम नोज स्थल का निरीक्षण करेंगे और 2रू25 पर परेड के सभा स्थल पर महाकुंभ में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों का लोकार्पण करेंगे और कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छ कुंभ की परिकल्पना पर आधारित लघु फिल्म देखेंगे और स्वच्छता कर्मियों को यूनिफॉर्म किट और नाविको को लाइफ जैकेट और कुंभ में लगे कर्मचारियों को बीमा प्रमाण पत्र वितरित करने के पश्चात सभा को संबोधित करेंगे जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, नगर विकास मंत्री ए के शर्मा, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह सांसद प्रवीण पटेल,महापौर गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष वी के सिंह ,विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, विधायक दीपक पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, एमएलसी केपी, श्रीवास्तव सुरेंद्र चौधरी, रहेंगे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
नवाब यूसुफ रोड, बालमीकी चौराहा, प्रयागराज - 211001

वर्ष 2024-25 में सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत खुली भर्ती

रोजगार सूचना सं. CQR 2024-25 दिनांक: 22.11.2024

ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ तिथि: 30.11.2024 एवं ऑनलाइन अंतिम तिथि: 29.12.2024 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे में सांस्कृतिक कोटा वर्ष 2024-25 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रु. 1900/- (7 वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-02) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरुद्ध ऑनलाईन आवेदन अंतिम तिथि 29.12.2024 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	पद	7 वें सीपीसी के पे मैट्रिक्स लेवल	पदों की संख्या	पदों को आवंटन
1.	गिटार	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रु. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2.	कीबोर्ड	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रु. 1900/-)	01 (एक)	उत्तर मध्य रेलवे पर

▶ उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु हैं बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता रखते हों।
▶ रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org एवं www.ncr.indianrailways.gov.in पर दिनांक 29.11.2024 से उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
2025/24 (ADM) रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं आईआरटीएमटीसी / 202425/03 दिनांक : 22.11.2024

ई-निविदा सूचना

प्रधानाचार्य, भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, पोस्ट- सूबेदारगंज, प्रयागराज, के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 20.12.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.: IRTMTC-202425-01	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 2726846.86
कार्यों का विवरणः कार्य अनुसूची और विशेष परिस्थितियों के अनुसार भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, के बिजली एवं इलेक्ट्रानिक्स संयंत्रों का संचालन, अनुरक्षण एवं मरम्मत।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 54500.00	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	

नोटः - 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर बन्द होने की तिथि तक उपलब्ध है । 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें । 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए ।5. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर मात्र वृहद प्रसार हेतु अपलोड किया जायेगा। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाना राशि की रकम केवल नेट बैंकिंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से ही जमा किया जाना चाहिए । 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाईन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. जी. एस. टी. अधिनियम/कानून/नियम/दिशा-निर्देश के सम्बंधित प्रावधान लागू होंगे। 2027/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

विश्व विरासत सप्ताहः शैक्षिक भ्रमण कराया

प्रयागराज। ईश्वर शरण पीजी कालेज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा विश्व विरासत सप्ताह (19–25 नवम्बर) के अवसर पर परास्नातक तथा शोधार्थियों को कौशाम्बी जनपद स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक पुरास्थलो – घोसिताराम चौत्य–विहार, अशोक स्तम्भ क्षेत्र, श्येनचिति, राजप्रासाद के साथ–साथ जैन पुरास्थल पभोषा (प्रभासगिरि पर्वत) का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। डा0 अहमद ने दल को बताया कि कौशाम्बी का वर्णन ब्राह्मणग्रंथों, उपनिषदों के साथ–साथ रामायण तथा महाभारत में भी मिलता है। पौराणिक परम्परा के अनुसार अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित के बाद पांचवी पीढ़ी के निचक्षु के शासनकाल में जब हस्तिनापुर गंगा की भयंकर बाढ़ में नष्ट हो गया था, तब उसने कौशाम्बी को अपनी राजधानी बनाया था। बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तरनिकाय, महावस्तु तथा जैनग्रंथ भगवतीसूत्र के अनुसार छठी शताब्दी ईसापूर्व में यह कौशाम्बी नगर वत्स महाजनपद की राजधानी था। कौशाम्बी की गणनाबुद्ध कालीन

छह प्रमुख नगरों में की जाती है। छठी शताब्दी ईसवीपूर्व में उदयन यहां के शासक थे। बौद्ध परम्परा के अनुसार महात्मा बुद्ध यहां दो बार आये और अपना छठवां और नवां वर्षावास (चतुर्मासा) यहीं व्यतीत किया। जैन ग्रंथों के अनुसार जैन धर्म के छठे तीर्थंकर पद्मप्रभु का जन्म कौशाम्बी के पभोषा में हुआ था। यहीं उनके गर्भ, जन्म, तप एवं कैवल्य–ज्ञान कल्याणक संपन्न हुए थे। कौशाम्बी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आगे बताया कि चौथी सदी से सातवी सदी के मध्य दो चीनी यात्री फाहयान और व्हेनसांग यहां आये और अपने यात्रा वृत्तान्त में कौशाम्बी की तत्कालीन स्थिति का सजीव वर्णन किया। व्हेनसांग के विवरण को आधार बनाते हुए वर्ष 1861 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रथम सर्वेक्षक एलेक्जेंडर कनिंघम ने यहां की यात्रा की थी और अपनी प्रकाशित रिपोर्ट में बताया कि सरकारी अभिलेखों में दर्ज वर्तमान कोसम ईनाम व कोसम खिराज ग्राम ही प्राचीन कौशाम्बी था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो0 जी0आर0 शर्मा ने यहां 1949 से 1965 तक अनवरत उत्खनन कार्य करवाया था।शैक्षणिक भ्रमण के दौरान डॉ0 अहमद ने छात्र–छात्राओं को पुरातात्विक सर्वेक्षण, अंकन व उत्खनन की बारीकियों को समझाते हुए उनको विधिवत प्रशिक्षित किया तथा उनसे पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य भी कराया। इविवि के प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर ओपी श्रीवास्तव (रिटायर्ड) ने विद्यार्थियों को बताया की यह विरासत सप्ताह विश्व की विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखने के लिए दुनिया के सभी समुदायों को प्रोत्साहित करता है। डॉ0 रागिनी राय ने कौशाम्बी की कला व वास्तुकला के विषय में छात्र–छात्राओं को परिचित कराया। कौशाम्बी पुरास्थल से सम्बद्ध भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के राजकुमार पांडेय ने भी भ्रमण के दौरान दल का उत्साहवर्द्धन किया तथा विरासत संरक्षण हेतु प्रेरित किया। पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के दल ने स्थानीय लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोने व संरक्षित करने हेतु जागरूक व सतर्क किया । कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 आनन्द शंकर सिंह ने भारत के गौरवशाली इतिहास व संस्कृति को गहराई से समझने के लिए विद्यालयीय शिक्षा के अतिरिक्त इस तरह के शैक्षिक भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रोटिवोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के संयोजन से चिकित्सा क्षेत्र में होगी क्रांतिः प्रो संगीता श्रीवास्तव

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक्स नेटवर्क (ज्ञान) के पाठ्यक्रम 'प्रोटिवोमिक्स एंड अर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन' का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। विज्ञान संकाय स्थित सेमिनार में हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने शिरकत की। उद्घाटन

कार्यक्रम में एंजिला रसकिन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम के प्रो. ग्राहम रॉय बाल और आईआईटी बांबे के प्रो. संजीव श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि ज्ञान नेटवर्क की ओर से प्रारंभ किया जा रहा बायोलॉजी और मेडिसिन में प्रोटिवोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पाठ्यक्रम ज्ञानवर्धक है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग करके नए प्रोटींस की खोज की जा रही है। चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग चमत्कारी परिणाम लाएगा। प्रोटिवोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के संयोजन से चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति का आगाज होगा। चिकित्सा के क्षेत्र में एआई का सकारात्मक प्रयोग से गंभीर बीमारियों को आसान इलाज संभव हो सकेगा। प्रोटिवोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के संयोजन से बीमारियों के इलाज के नए तरीके भी खोजने में आसानी होगी। उन्होंने शिक्षकों और शोधार्थियों से इस दिशा में शोध के निए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता प्रो. ग्राहम रॉय बाल ने बताया कि इंसानों में करीब 20 हजार जीन्स होते हैं जो मानव शरीर का निर्माण करते हैं। प्रत्येक जीन कई हजार प्रोटीन्स से संयोजित है। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस की मदद से हम इन सभी प्रोटीन का अध्ययन करके नई दवाइयों निर्मित करने का प्रयास कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस भविष्य में चिकित्सा विज्ञान की रूपरेखा बदल कर रख देगी। हालांकि उन्होंने यह चिंता भी जताई कि यदि एआई का गलत प्रयोग किया गया तो परिणाम भी गंभीर होंगे। आईआईटी बाम्बे के प्रो. संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि आज इंसान एक ऐसे युग में जी रहा है जहां टेक्नोलॉजी उनकी जरूरत बन गई है। इसी टेक्नोलॉजी और आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का उपयोग करके हम कैंसर जैसी जटिल बीमारियों को समझकर उसका इलाज ढूंढ सकते हैं। हर इंसान की शारीरिक बनावट अलग हैं। इस कारण एक ही दवा का प्रभाव अलग–अलग हो सकता है, ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग करके हम हर एक इंसान के प्रोटीन का अध्ययन करते हुए उस पर काम करने वाली अधिक प्रभावी दवा का विकास कर सकते हैं। इविवि के डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. एस आई रिजवी ने कहा कि कृध्त्रम बुद्धिमत्ता काफी पहले से काम चल रहा है। ब्रिटिश गणितज्ञ एलेन ट्यूरिंग ने 1930–40 के दशक में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की नींव रखी थी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की सहायता से भविष्य में ऐसे प्रोटीन विकसित कर लिए जाएंगे जिससे असाध्य रोग से ग्रसित रोगी का भी इलाज संभव होगा। हालांकि उन्होंने सावधानी भी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस दोधारी तलवार हैं और इसका उपयोग संयम से किया जाना चाहिए। प्रोटीन कई प्रकार की होती लेकिन उनके क्रियाशील होने के बाद ही उसकी प्रकृति का पता चल सकता है। एआई का प्रयोग करके प्रोटीन के विघटन से पहले ही उसकी प्रकृति को जाना जा सकेगा। विज्ञान संकाय के डीन प्रो. बेचन शर्मा ने ज्ञान पाठ्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम एक ऐसा मंच बनाए जहां विकसित देशों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हमारे साथ काम करें, अपनी जानकारी साझा करें और हमारे द्वारा किए जा रहे काम का मूल्यांकन भी कर सकें। उन्होंने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक क्रांति को जन्म दे सकता है जो हमें प्रोटोमिक्स और उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी शोध को प्रेरित करेगा। पाठ्यक्रम समन्यवक डा. अरूप अचार्जी ने इविवि की ओर से प्रारंभ हो रहे 'प्रोटिवोमिक्स एंड अर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन' पाठ्यक्रम के बारे में बताया। वहीं, ज्ञान की स्थानीय समन्यवक प्रो. भूमिका कर ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अकादमिक उत्कृष्टता का बढ़ावा देने के जीआईएएन (ज्ञान) के पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। ज्ञान के स्थानीय सह–समन्यवक डा. मनीष शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों के सुविधाजनक आवागमन के उद्देश्य से निम्नलिखित रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नलिखित हैः-

रेलगाड़ी सं.: 01925/01926 ग्वालियर - प्रयागराज रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.01925 ग्वालियर-प्रयागराज			गाड़ी सं. 01926 प्रयागराज-ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	18:20	ग्वालियर जं.	21:20	----
20:40	20:50	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	17:50	18:00
23:50	23:52	महोबा जं.	14:30	14:32
01:10	01:15	बाँदा	13:20	13:25
03:10	03:12	चित्रकूट धाम कर्वी	11:40	11:42
04:05	04:10	मानिकपुर जं.	11:00	11:05
05:10	05:12	शंकरगढ़	09:38	09:40
06:08	06:10	नैनी जं.	08:48	08:50
06:30	----	प्रयागराज जं.	----	08:30

ग्वालियर जं.से : रेलगाड़ी संख्या 01925, दिनांक 25.11.24, 26.11.24, 27.11.24, 28.11.24, 29.11.24
प्रयागराज जं.से : रेलगाड़ी संख्या 01926, दिनांक 26.11.24, 27.11.24, 28.11.24, 29.11.24, 30.11.24
गाड़ी संरचनाः समान्य श्रेणी : 06

नोट– ट्रेन की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2035/24(DG)

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सं.: पी आर वाइ जे-सिग-031-2024-25 दिनांक : 18.11.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैं।

क्र. सं.: 1, निविदा नं.: 031	निविदा खुलने की तिथिः 16.12.2024
कार्य का विवरणः एफए और सीएओ (यातायात) कार्यालय के शिपटिंग और सीसीटीवी कैमरे का प्रावधान तथा डीआरएम कार्यालय प्रयागराज के विभिन्न कार्यालयों में मॉड्यूलर बैठने की व्यवस्था हेतु एवं नैनी स्टेशन पर कॉनकोर्स वेटिंग हाल सर्कुलेटिंग एरिया के विकास हेतु दूर संचार का कार्य।	
अनुमानित मूल्य : ₹ 52,67,438/-	बिड सिक्यूरिटी : ₹ 1,05,400/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00	कार्य समापन की अवधि : 06 माह

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।
3. निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2029/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

निगम ने अतिक्रमण मुक्त कराया

प्रयागराज। सरदार पटेल मार्ग से नवाब यूसुफ रोड, इण्डिया बाजार होते हुए सुभाष चौराहे से लेकर स्वामी विवेकानन्द मार्ग तक साथ ही साथ फाफामऊ से तेलियरगंज, एमएनएनआईटी से बेली चौराहा से स्टैनली रोड से हीरा हलवाई, थार्नहिल रोड होते हुए इन्द्रा चौराहा सर्किट हाउस होते हुए बाबा चौराहे, बालसन

चौराहा से अलोपी मन्दिर, दारागंज, होते हुए नागवाशुकी मन्दिर से बक्सी बांध, कमलानेहरू अस्पताल तक नगर निगम, प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी तथा कुल जुर्माना रू०–32,000 शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण हटाने में थाना सिविल लाइन्स, कर्नलगंज, शिवकुटी, तेलियरगंज, दारागंज, जार्जटाउन, थाना कैंट प्रयागराज का सहयोग लिया गया। तथा इस सम्बन्ध में सभी थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

केन्द्री य रेल विद्युतीकरण संगठन में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वययन समिति की बैठक का आयोजन

केन्द्री य रेल विद्युतीकरण संगठन,प्रयागराज में महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्रच जोशी की अध्य–क्षता में दिनांक 25.11.2024 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वरयन समिति की बैठक आयोजित की गई। महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि संगठन में दिन–प्रतिदिन के सरकारी कामकाजमें निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करें। उन्होंरने कहा कि राजभाषा नीति केकार्यान्वियन में अनदेखी न हो, यह

सुनिश्चित करना हम सबका दायित्वन है। इसलिए मैं आप सबसे आग्रहकरता हूं कि आप अपने–अपने कार्यालयों में राजभाषा नीति को प्रभावी तरीके से लागू करते हुए अपनेसंवैधानिक उत्त रदायित्व् का निर्वाह ठीक तरह से करें। उन्होंयने कहा कि कोर,प्रयागराज में स्थित है जोकि हिंदी का गढ़ है। यहां सभी अधिकारीध्कर्मचारी हिंदी जानते हैं। अतरू यहां के लोगों को हिंदी में कामकरने में कोई कठिनाई नहीं है। इसलिए राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन के लिए सभीअधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी काअधिकाधिक प्रयोग करें। जिससे वार्षिक कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करते हुए संगठन हिंदी प्रयोग के शिखर पर पहुंचे। मेरा आग्रह है कि आप सभी फाइलों तथा पत्राचार में हिंदी का अधिक से अधिकप्रयोग बढ़ाएं। इससे पहले मुख्यि राजभाषा अधिकारी श्री यतेन्द्र कुमार ने अध्य क्ष (महाप्रबंधक) सहित सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वापगत करते हुए कहा कि हमारे संगठन में राजभाषा का काफी प्रयोग हो रहा है। उन्होंखने कहा कि वर्तमान युग में कोई भी भाषा वैज्ञानिक,सूचना प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी विषयों से जुड़ेबिना पनप नहीं सकती है। इसलिए कंप्यूरटर,ई–मेल तथा वेबसाइट में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोगबढ़ाने की आवश्यहकता है।इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका विद्युत वीथिका का विमोचन किया और कहा कि राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन से निश्चित रूप से संगठन में हिंदीका प्रयोग–प्रसार बढ़ेगा । बैठक में मुख्यामलय के विभागाध्यतक्ष श्री वी.के.गर्ग, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, श्रीआर.एन.सिंह,प्रमुख मुख्यि सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर, श्री एस.पी.द्विवेदी, प्रमुख मुख्यि सामग्रीप्रबंधक, श्री उपेन्द्र कुमार, मुख्यक बिजली इंजीनियर (कार्य) तथा कोर मुख्याधलय के सभी विभागों के संपर्कअधिकारी (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति के प्रतिनिधि के रूप में श्री मकरध्वपज मौर्य,वरिष्ठा अनुवाद अधिकारी भी शामिल हुए । बैठक का संचालन एवं धन्यमवाद ज्ञापन उप मुख्यक राजभाषाअधिकारी श्री कल्यावण सिंह ने किया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062